(1) परिषद द्वारा यह अपेक्षा की गयी कि संस्थान के प्रत्येक शिक्षक को बाह्य एजेन्सियों यथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, अभातशिप इत्यादि से एक प्रोजेक्ट प्राप्त करना चाहिए।

(2) परिषद द्वारा निदेशक से यह अपेक्षा की गयी कि संस्थान के शिक्षकों को एम0टेक0 एवं पी0एच0डी0 करने हेतु प्रेरित करें।

(3) विभागाध्यक्षों को विभागीय रखरखाव मद से व्यय किये जाने की सीमा को रू0 15000/– से बढ़ाकर रू0 50000/– किये जाने के निर्देश दिये गये जैसा कि उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय में व्यवस्था लागू है।

(4) परिषद द्वारा अपेक्षा की गयी संस्थान के पूर्व छात्रों को संस्थान के विकास कार्यों में आर्थिक सहायता हेतु प्रेरित किया जाए और अगर कोई पूर्व छात्र अपने या अपने किसी सगे सम्बन्धी के नाम से यादगार स्वरूप किसी प्रकार का निर्माण कार्य या मरम्मत अथवा मूलभूत सुविधाओं में सुधार करना चाहता है तो उसे उस की अनुमति प्रदान की जाये।

(5) परिषद द्वारा अपेक्षा की गयी कि एम0टेक0 छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य किसी औद्योगिक इकाई के साथ करना अनिवार्य किया जाय।

(6) संस्थान द्वारा स्ववित्त पोषित आधार पर चलाये जाने हेतु प्रस्तावित स्नातक पाठ्यक्रमों हेतु शिक्षकों के पद सृजन हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाये।

बैठक अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुयी।

(एस0के0 अवस्थी)	(आलोक रंजन)	(संदल प्रसाद)
सदस्य सचिव	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष